F.Y.B.A. HINDI GI

यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित बिंदूओं को प्राप्त कर सकते है।

PO1 कहानी और कविता साहित्य पढकर छात्रों में सभ्य समाज के लिए आवश्यक जीवनमूल्यों निर्माण होगा ।

PO2 छात्रों में सकारात्मक सोच पैदा होगी।

PO3 परिवारिक रिश्ते तथा मानवीय संवेदनाओं को समझने की यथार्थ भावना निर्मित होगी।

PO4 कविताओं को पढने से छात्रों में शुद्ध प्रेम की, आत्मीयता की भावना होगी।

PO5 आज के वैज्ञानिक युग में सभी के लिए आवश्यक कंम्पूटर की जानकारी से छात्र लाभान्वित होंगें। तथा उनमें रोजगारपरक कौशल निर्माण होने में सहायता मिलेगी।

S.Y.B.A. HINDI GII

2097 हिंदी कहानी,काव्य एवं लेखन

PO1 प्रस्तुत पाठ्यक्रम छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में अहम् भूमिका निभाता है।

PO2 छात्रों में मनुष्यता और मानवता का गुण विकसीत होगा।

PO3 छात्रों को ग्रामीण लोकजीवन तथा वहाँ के समाज के प्रति दया और परोपकार की भावना निर्मित होगी।

PO4 अमीर तथा गरीब वर्ग के बींच की खाई तथा उसके मुख्य कारणों से छात्र परिचित होंगे। शोषितों के प्रति देखने की दृष्टी विकसीत होगी।

PO5 स्त्री जीवन पर आधारित कहानियों के माध्यम से स्त्री के अधिकार ,कर्तव्य तथा उसपर होनेवाले अन्याय, अत्याचार का विरोध करने की भावना निर्माण होगी।

PO6 आशावादी दृष्टिकोन के साथ-साथ पर्यावरणवादी विचारधार विकसीत होगी। पेड की उपयोगिता तथा मनुष्य जीवन में उसका स्थान तथा महत्व बढेगा।

PO7 पुरानी तथा नई पीढी के विचारों तथा उसमें दोनों का महत्व दिखाकर पीढी परिवर्तन के कारणों के बारे में जानकारी मिलगी।

PO8 पारिभाषिक शब्दावली के ज्ञान के साथ-साथ विज्ञापन कला से आत्मनिर्भर होने की तथा आत्मविश्वास की प्रेरणा मिलेगी।

2098 HINDI SPECIAL I

हिंदी भाषा का विकास

PO1 छात्रों को भाषा का स्वरूप तथा उसके उत्पत्ति तथा विकास के बारें में जानकारी मिलेगी।

PO2 छात्रों को हिंदी की विभिन्न बोलियों तथा उपबोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

PO3 भाषा से संबंधित बने विभिन्न अधिनियम से छात्र परिचित होंगे तथा शब्दभांडार में वृद्धि होगी।

PO4 स्वर और व्यंजन के सहीं ज्ञान के साथ साथ हिंदी ध्वनियों के शुद्ध उच्चारण की क्षमता निर्माण होगी।

PO5 ध्वनिसंरचना के ज्ञान के साथ-साथ ध्वनि ,पद,वाक्य और अर्थ इन संरचना से छात्रों में ज्ञान वृद्धि होगी।

2099 HINDI SPECIAL 2

मध्ययुगीन काव्य,उपन्यास ,और नाटक

PO1 उपन्यास के माध्यम से मध्यवर्ग की जीवन समस्याओ का तथा उसके कारणों का ज्ञान होता है।

PO2 महानगरीय वातावरण में सामान्य व्यक्ति उसके परिवार की स्थिती तथा मानसिक अवस्था से परिचित होते है।

PO3 महानगरों की यांत्रिक व्यवस्था में असहाय और अकेला आदमी टूट जाता है, वह भीड में भी अकेला महसूस करता है,इन सारी परिस्थितियों पर छात्र गंभीरता से सोचने लगते है।

PO4 नाटक के सैद्धांतिक पक्ष से छात्र परिचित होते हैं।

PO5 नाटक के अध्ययन के उपरांत विभिन्न कालों मे विवाह से संबंधित हुए विभिन्न क्रांतिकारी परिवर्तन से छात्र परिचित होकर आधुनिक युग में इन विचारधारा का अनुकरण करेंगे।

PO6 छात्र मध्ययुगीन हिंदी कवियों से परिचित होकर उनके द्वारा स्थापित विचारधारा का अनुसरूण अपने जीवन में करने का प्रयास करेंगे।

T.Y.B.A. HINDI

3097 आत्मकथांश,काव्यनाटक तथा लेखन

PO1 हिंदी के प्रसिद्ध आत्मकथाकार तथा आत्मकथाओं से छात्र परिचित होंगे।

PO2 आत्मकथाओं के माध्यम से संघर्ष करने की प्रेरणा निर्माण होकर विदयार्थी जीवन में आशावादी बनेगा।

PO3 छात्रों में आत्महित ,त्याग,बलिदान और विवेक की भावना जागृत होगी।

PO4 छात्रों में स्त्री की पीडा,शोषण और अत्याचार के खिलाफ प्रतिशोध की भावाना निर्माण होगी।

PO5 जाति-प्रथा की भावना दूर करने का साहस और सोच छात्रों में निर्मित होगी।

3098 HINDI SPECIAL 03

हिंदी साहित्य का इतिहास

PO1 छात्रों को हिंदी साहित्य की इतिहास लेखन की परंपरा का ज्ञान होगा। तथा उस काल की युगीन परिस्थितियों से छात्र परिचित होंगें।

PO2 हिंदी साहित्य के इतिहास लेखक तथा उनकी इतिहास लेखन की परंपरा का ज्ञान होगा।

PO3 आदिकाल के माध्यम से वीरता तथा पराक्रमी राजाओं की युद्धनीति तथा परंपरा से छात्रों को ज्ञान मिलेगा।

PO4 छात्रों को सभीं धर्मों से परें मानवधर्म की स्थापना का ज्ञान होगा।

PO5 विभिन्न कालों में नीहित आदर्श विचारों एवं नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेम होगा।उनमें सुधार की भावना विकसित होने में मदद होगी।

PO6 आधुनिक काल के अध्ययन के उपरोत छात्रों में रचनकारों के परिचय के साथ-साथ काव्य तथा साहित्यनिर्मिती की प्रेरणा निर्माण होगी।

3099 HINDI SPECIAL 04

काव्यशास्त्र

PO1 प्रस्तुत विषय अध्ययन से छात्रों को काव्य की विभिन्न परिभाषाओं का ज्ञान होगा।

PO2 विभिन्न अलंकारों की परिभाषाओं एवं सोदाहरण विवेचनों से जहाँ एक और इनका ज्ञान होगा वहीं दूसरी और उनमें अलंकारीक भाषाशैली की क्षमता भी विससित होगी. वे अलंकारीक भाषा शैली में रचना कर सेकेंगे।

PO3 रसों के छंदों के अध्ययन से छात्रों में विषय वस्तू एवं प्रसंग के अनुसार रसो एवं छंदो लेखन कला विकसित होगी वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

PO4 छात्रों को रस सिध्दांत से रस कि परिभाषा और रस के प्रकारों का ज्ञान होगा।

PO5 काव्य शास्त्र कि अंग्रेजी और संस्कृत में कि गई परिभाषाओं सें तीनों भाषाओं का ज्ञान होता है।